**डॉ० शैलेन्द्र मोहन मिश्र**

**स० प्रा० मैथिली विभाग**

**सी० एम० जे० कॉलेज**

**दोनवारी हाट खुटौना मधुबनी**

**मो० न० 9546743796**

**Email –** **mishrasm966@gmail.com**

**B. A. III**

 **रसक भेद**

**9 शान्त रस : -**

 **तत्व ज्ञान एवं वैराग्यक कारणें शांत रसक उत्पत्ति होइत अछि | एहि रसक आस्वादन सभ नहि कए सकैत अछि कारण भावक समत्व राखब अर्थात दुःख , सुख , चिंता , राग – द्वेष सभ भावना सँ मुक्त रहब सभसँ संभव नहि अछि | साहित्यदर्पणकार आचार्य विश्वनाथक अनुसार –**

 **“ न यत्र दुःख न सुखं न चिन्ता न द्वेष रागौ च कार्चिदिच्छा |**

 **रस सशान्त: कथितो मुनीन्द्रै: सर्वेषु भावेषु सम प्रमाण: || “**

1. **स्थायीभाव – निर्वेद वा शम |**
2. **विभाव – ( क ) आलम्बन – नरकक महान दुखक चिन्तन , संसारक अनित्यताक भान , प्रभु गुण कीर्तन आदि | ( ख ) उद्दीपन – सत्संग , तीर्थ स्थान , पवित्र वन , व्याधि |**
3. **अनुभाव – शांतिमयता , आनंद – रोमांच , हर्षसँ अश्रुपात आदि |**
4. **व्यभिचारी भाव – हर्ष , विषाद , मति , धृति , स्मृति , निर्वेद आदि |**
5. **गुण – माधुर्य |**
6. **रीति – वैदर्भी |**
7. **वृत्ति – उपनागरिका |**
8. **सहचर रस – करुण , अद्भुत , वीभत्स एवं वात्सल्य |**
9. **विरोधी रस – श्रृंगार , हास्य , रौद्र , वीर एवं भयानक |**

**10 वात्सल्य रस : -**

1. **स्थायीभाव – वत्सलता स्नेह या पुत्र – प्रेम |**
2. **विभाव – ( क ) आलम्बन – पुत्रादि | ( ख ) उद्दीपन – बालकक स्वाभाविक चेष्टा , जिद्द , अनुकरण , प्रवृत्ति , जिज्ञासादि |**
3. **अनुभाव – स्नेहसिक्त दृष्टिसँ देखब , अंगस्पर्श , आनंदाश्रु |**
4. **संचारीभाव – अनिष्टक आशंका , हर्ष , गर्वादि |**
5. **गुण – माधुर्य |**
6. **वृत्ति – उपनागरिका |**
7. **रीति – वैदर्भी |**
8. **सहचर रस – करुण , हास्य , अद्भुत , शांत |**
* **विरोधी रस – श्रृंगार , वीभत्स , वीर , भयानक एवं रौद्र |**

**11 भक्ति रस : -**

* **स्थायीभाव – ईश्वर विषयक रति |**
* **विभाव – ( क ) आलम्बन – परमेश्वर वा परब्रह्मस्वरूप राम , श्रीकृष्ण | (ख ) उद्दीपन – सगुन परमेश्वरक सौन्दर्योत्कर्ष , हुनक कार्य अवतार , दीन रक्षा , लीला , अव्यक्तक विराट स्वरुपक गुण कथन , श्रवण |**
* **अनुभाव - आनन्दानुभूति , हर्षसँ नेत्रक विकसित होएब , उत्सुक भाव आदि |**
* **संचारीभाव – हर्ष , गर्व , औत्सुक्य , मति , निर्वेद आदि |**